

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में वन वर्ल्ड टीबी समिति-2023 का कथिा उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

24 मार्च, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में वन वर्ल्ड टीबी समिति - 2023 का उद्घाटन कथिा ।

प्रमुख बडिु

- वन वर्ल्ड टीबी समिति - 2023 में कई राज्यों के राज्यपाल, अनेक राज्यों के स्वास्थय सचवि और राष्ट्रीय स्वास्थय मशिन के प्रबंध नदिशक ऑनलाइन शामिल हुए ।
- इस कार्यक्रम में कंपनथिीं, उद्योगों, नागरकि समाज, गैर-सरकारी संगठनों और टीबी चैपयिंस के प्रतनिधियिं ने भी भाग लथिा और 2030 के वैश्वकि लक्ष्य से पाँच साल पहले 2025 तक इस अत्यधिक संक्रामक बीमारी को खत्म करने की भारत की प्रतबिद्धता को दोहरायल ।
- प्रधानमंत्री ने 'वार्षकि भारत टीबी रिपोर्ट 2023' का वमिोचन कथिा, जो 2025 तक भारत को टीबी मुत्त बनाने की दशिा में देश के प्रयासों का संकलन है ।
- कार्यक्रम में पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस पर एक प्रशकिषण मॉड्यूल भी लॉन्च कथिा गया । यह मॉड्यूल भारत में सार्वजनकि और नजिी क्षेत्र के माध्यमकि और तृतीयक स्तरों के स्वास्थय कर्मथिीं को प्रशकिषति करने के लथिि वकिसति कथिा गया है ।
- प्रधानमंत्री ने टीबी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बीमारी से जुड़े कलंक को खत्म करने और सेवाओं की नगिरानी और सुधार में मदद करने के लथिि 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के समर्थन का लाभ उठाने के लथिि टीबी-मुत्त पंचायत पहल की भी शुरुआत की तथा टीबी के संक्रमण को रोकने के लथिि एक नए उपचार के तौर पर प्रीवेंटवि थेरेपी भी शुरु की गई है जसिसे रोग के प्रसार को रोका जा सके ।
- इसके अलावा टीबी से प्रभावति परिवारों का हति सुनशिचति करने के लथिि एक परिवार-केंद्रति देखभाल मॉडल की भी घोषणा की गई ।
- नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में राष्ट्रीय रोग नथित्रण और उच्च नथित्रण प्रयोगशाला केंद्र की आधारशला भी रखी और मेट्रोपॉलटिन पब्लकि हेल्थ सर्वलिांस यूनिट के लथिि साइट का उद्घाटन कथिा ।
- इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने टीबी को खत्म करने के प्रमुख कार्यक्रम संकेतकों के आधार पर महत्त्वपूर्ण प्रगति करने के लथिि राज्यों और ज़िलों को भी सम्मानति कथिा । राज्यों/केंद्रशासति प्रदेशों की श्रेणी में कर्नाटक और केंद्रशासति प्रदेश जम्मू-कश्मीर को सम्मानति कथिा गया और नीलगरिी (तमलिनाडु), पुलवामा (जम्मू-कश्मीर) और अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) को ज़िला स्तर के पुरस्कार दथिे गए ।
- कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी ने बताया कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रसिर्च इन ट्यूबरकुलोसिस (एनआईआरटी) जैसे आईसीएमआर संस्थानों ने दुनथिा का सबसे बड़ा राष्ट्रीय टीबी संक्रमण सर्वेक्षण पूरा कथिा है, जसिने लक्षति कार्यक्रम संबंधी क्रथिाकलापों के लथिि राज्य स्तर पर टीबी के बोझ को समझने में मदद की है ।
- उप-राष्ट्रीय प्रमाणन (एसएनसी) कार्य को लागू करने वाला भारत दुनथिा का एकमात्र देश है । यह एक अभनिव वैज्ञानकि पद्धति है, जसिके माध्यम से ज़िलों को उनके उन्मूलन की प्रगति के लथिि सत्यापति कथिा जाता है ।
- प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि टीबी रोगथिीं के लथिि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के तहत 75 लाख से अधिक टीबी रोगथिीं के खाते में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक धनराशि टिरांसफर की गई है ।
- गौरतलब है कि मार्च 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक भारत से टीबी को खत्म करने की प्रतबिद्धता जताई, जबकि शेष वशि्व में 2030 तक टीबी से संबंधति सतत वकिस लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है ।

॥



